सिंहस्थ की तैयारी में जुटा उज्जैन, सड़कों और व्यवस्थाओं को मिल रही नई रफ्तार

मार्ग चौड़ीकरण व जल समस्याओं के समाधान पर फोकस, निगमायुक्त ने किया अवलोकन, रात में भी कार्य करने के निर्देश

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए उज्जैन में व्यापक स्तर पर विकास और निर्माण कार्यों को गति दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का गृह नगर होने के साथ-साथ महाकाल की नगरी आज देश-विदेश के श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बन चुकी है। महाकाल मंदिर और महाकाल लोक के विस्तार के बाद प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु उज्जैन पहुंच रहे हैं। ऐसे में शहर की यातायात व्यवस्था, सड़कें, जल निकासी और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ और व्यवस्थित होना अत्यंत आवश्यक हो गया है। सिर्फ सड़कों का विस्तार ही नहीं, बल्कि नागरिक सुविधाओं को भी समान प्राथमिकता दी जा रही है। 17 फरवरी को शहर के नौ प्रमुख स्थानों पर जल सुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार, महापौर मुकेश टटवाल एवं निगम अध्यक्ष कलावती यादव के निर्देश पर यह पहल की गई है, ताकि पेयजल से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। मुरलीपुरा, मिर्चीनाला, खिलचीपुर, महानंदा नगर, त्रिवेणी विहार, नागझिरी, देवास गेट, नगर निगम मुख्यालय और कलेक्ट्रेट भवन में प्रातः 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक आयोजित इस सुनवाई में पीएचई विभाग के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। पेयजल लीकेज, नल कनेक्शन, बोरवेल, हैंडपंप तथा पानी की गुणवत्ता जांच से संबंधित समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जाएगा। उज्जैन तेजी से विकसित हो रहा है और सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के साथ शहर को एक सुव्यवस्थित, स्वच्छ और आधुनिक स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है, वहीं शहरवासियों की भी जिम्मेदारी है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, स्वच्छता बनाए रखें और विकास कार्यों में सहयोग दें। संगठित प्रयासों से ही उज्जैन को आस्था के साथ-साथ व्यवस्थापन का भी आदर्श शहर बनाया जा सकेगा।

आयुक्त पहुंचे निर्माण स्थल-मेन पॉवर बढ़ाएं

इसी उद्देश्य से उज्जैन नगर निगम द्वारा शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए मार्ग चौड़ीकरण कार्यों में तेजी लाई जा रही है। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने खजूर वाली मस्जिद से केडी गेट होते हुए बड़े पुल तक तथा शांति पैलेस चौराहे से नानाखेड़ा चौराहे तक किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की गति बढ़ाने, संसाधनों और मैनपॉवर में वृद्धि करने तथा आवश्यकता अनुसार रात्रि में भी कार्य संचालित करने के निर्देश दिए। वर्तमान में दोनों स्थलों पर नाली निर्माण और स्ट्रांग वॉटर ड्रेन का कार्य प्रगति पर है। शांति पैलेस से नानाखेड़ा चौराहे तक लगभग 12.5 करोड़ रुपये की लागत से 45 मीटर चौड़े और लगभग 450 मीटर लंबे मार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा है, जिससे भविष्य में बढ़ते यातायात दबाव को नियंत्रित किया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह, अधीक्षण यंत्री संतोष गुप्ता, कार्यपालन यंत्री पीयूष भार्गव सहित अन्य अधिकारी एवं संबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे।

जिले में किसी भी गर्भवती का घर पर प्रसव सम्पादित न हो

मातृ एवं शिशु मृत्यु की समीक्षा बैठक में बोले स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक पटेल

उज्जैन। मातृ एवं शिशु मृत्यु की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के निर्देशन में 16 फरवरी को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में किया गया। बैठक में डॉ. जितेन्द्र राजपूत, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. सुगीता शर्मा, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, डॉ. खुर्शीद लोहावाला, स्त्रीरोग चिकित्सक, श्री मनीष भद्रावले जिला कार्यक्रम प्रबंधक, अनस कुरैशी जिला कम्युनिटी मोबिलाईजर, दिलीप वसुनिया, सहायक कार्यक्रम प्रबंधक, समस्त बी.सी.एम., पब्लिक हेल्थ मैनेजर सहित विभिन्न अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए।

बैठक में निर्देश दिए गए कि जिले में होने वाली मातृ मृत्यु के समस्त प्रकरणों को कम्युनिटी व फेसिलिटी बेस्ड रिव्यू दल गठित कर करवाया जाए। जिले में किसी भी गर्भवती का घर पर प्रसव सम्पादित न हो मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को दृष्टिगत प्रसूति की संभावित दिनांक के पूर्व ही गर्भवती महिला को क्षेत्र की शासकीय संस्था में भर्ती करवाकर संस्थागत प्रसव करवाए, घर पर प्रसव होने पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाई की हिदायत दी गई। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन कर उनसे निरन्तर समन्वय कर उसका पूर्ण प्रबंधन कर, आवश्यकतानुसार आयरन सुक्रोज लगाए। मॉडरेट एनीमिया गर्भवती महिलाओं, सिवीयर एनीमिया गर्भवती महिलाओं का भी प्रबंधन कर नियमित फॉलोअप भी लिया जाए। जिले में गर्भवती महिलाओं को शतप्रतिशत एएनसी पंजीयन सुनिश्चित कर 04 एएनसी जांचों की सुविधा भी शतप्रतिशत उपलब्ध करवाएं।

प्रतिमाह 9 व 15 को शिविर आयोजित होंगे

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रतिमाह 9 व 25 को आयोजित होने वाले शिविरों में महिलाओं एवं हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, जांच सेवाएं एवं सोनोग्राफी की निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराए। जिले में किसी भी क्षेत्र में मातृ एवं शिशु मृत्यु होने पर निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार 24 घंटे के भीतर वरिष्ठ स्तर पर जानकारी उपलब्ध करवाएं एवं रिव्यू कर सुधारात्मक कार्यवाई करने सहित इसकी रिपोर्टिंग भी करें।

एक नजर में

वैदिक मंत्रोच्चार से गूंजा मंदिर प्रांगण

उज्जैन। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर योगीपुरा स्थित श्री राम मंदिर में महाराष्ट्र समाज उज्जैन के तत्वावधान में भगवान श्री त्रिलोकेश्वर महादेव का लघुरुद्र अभिषेक पूरी श्रद्धा, भक्तिभाव और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मिलिंद पन्हालकर के अनुसार इस धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन वेदमूर्ति पंडित प्रसाद वेरुळकर के आचार्यत्व में किया गया। उनके सानिध्य में तेरह अन्य विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान पूर्वक रुद्राभिषेक संपन्न कराया। विद्वान ब्राह्मण वृंद में मुख्य रूप से हेमंत पाध्ये, आशीष गिरी, आशीष खांबटे, हर्षवर्धन गोरे, अनिरुद्ध पुराणिक, प्रकाश गायधनी, दीपक भागवत और प्रकाश मादुस्कर आदि उपस्थित थे। इस पुनीत अवसर पर पंकज चंदौरकर, रविन्द्र मूले, मिलिंद पनाहल्कर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके अलावा समाज के वरिष्ठ सदस्य नीलेश फडनिस, आलोक मोढे, चंद्रशेखर केलकर, लाभेश जोशी, सुनील गर्गे, दीपक मोढे, राम मंदिर प्रबंधक अमित मालवंकर और गिरीश फडनिस सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे। समापन भगवान की महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। तत्पश्चात उपस्थित ब्राह्मण वृंद और सभी श्रद्धालुओं के लिए फलाहार की व्यवस्था की गई।

ढूंढेश्वर महादेव मंदिर में गूंजे महामृत्युंजय मंत्र

उज्जैन। महाकाल की नगरी और मोक्षदायिनी मां क्षिप्रा के तट पर महाशिवरात्रि और शिव-पार्वती विवाह के पावन पर्व का उल्लास चरम पर है। इसी कड़ी में 84 महादेव श्रृंखला के तीसरे प्रमुख मंदिर, श्री ढुंढेश्वर महादेव (3/84) में शिव नवरात्रि महोत्सव के तहत भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पं. अजय कृष्ण शंकर व्यास के अनुसार जनकल्याण के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में मंदिर प्रांगण वैदिक मंत्रोच्चार से गूंज उठा। 1008 स्वामी भगवतानंद गिरी महाराज, स्वामी शैलेषानंद महाराज और अन्य विद्वान आचार्यों द्वारा विधि-विधान से पूजन कर रुद्राक्षों को अभिमंत्रित किया गया। इसके पश्चात नि:शुल्क वितरित किए गए। ढुंढेश्वर महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा अखिल भारतीय राष्ट्रीय औचित्य महासभा के अध्यक्ष व महामंडलेश्वर सत्यनारायण त्रिवेदी, पटेल भेरुलाल पटेल, प्रेम शंकर पंड्या, वासुदेव रावल, श्याम आचार्य, पंकज जोशी, महेंद्र सिंह बैस, आचार्य पं. राहुल शर्मा, समाजसेवी महेंद्र गादिया और सुभाष जैन का सम्मान मंदिर के पुजारी पं. अजय कृष्ण शंकर व्यास, पं. सोमेश जोशी सहित महादेव मंदिर सेवा समिति के सदस्यों द्वारा किया गया। अंत में फलाहारी खिचड़ी की प्रसादी वितरित की गई।

अनरकेश्वर महादेव का किया आकर्षक श्रृंगार

उज्जैन। इंदिरा नगर स्थित 27/84 अनरकेश्वर महादेव का महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर भांग एवं सूखे मेवे से आकर्षक श्रृंगार का आयोजन पुजारी रवि त्रिवेदी के सानिध्य में हुआ। महाशिवरात्रि आयोजन में महाआरती बबीता त्रिवेदी एवं क्षेत्रीय नागरिकों एवं मातृशक्ति द्वारा की गई। मंदिर पर आकर्षक विद्युत साज सज्जा एवं पुष्प सज्जा की गई एवं सभी ने मनोहारी अनरकेश्वर महादेव का दर्शन लाभ प्राप्त किया। भगवान अनरकेश्वर महादेव का भांग, सूखे मेवे से आकर्षक श्रृंगार कर सजाया गया। इस अवसर पर एडवोकेट योगेश व्यास, अथर्व त्रिवेदी, सुशीला जाट, लकी रायकवार, शारदा राठौर, चेतना गायकवाड़ किशन वर्मा, आदि मौजूद रहे।

बांदका में नीलगाय से टकराकर बाइक युवक हुए सवार घायल

उज्जैन। बीती रात बाइक से लौट रहे दो युवक सामने आई नीलगाय से टकरा गए। दोनों को घायल हालत में उपचार के लिए चरक अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने हालत देख भर्ती किया है। घट्टिया क्षेत्र के ग्राम बांदका में रहने वाला अर्जुन पिता रतनदास 22 वर्ष हमउम्र साथी सुरेश पिता नानूराम के साथ बीती शाम ग्राम कालूहेड़ा गया था। जहां किसान द्वारा अपनी भैंस बेची जा रही थी। दोनों भैंस देखने के बाद वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान कालूहेड़ा के समीप रात 8 बजे के लगभग उनकी बाइक के सामने नीलगाय आ गई। रफ्तार तेज होने पर गाय से टकराने के बाद दोनों घायल हो गए। लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। ग्रामीण क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से लगातार नीलगाय की वजह से हादसे होना सामने आ रहे हैं। शाम ढलने के बाद नीलगाय बेखौफ सड़कों पर आ जाती हैं। इनकी वजह से फसलों को भी काफी नुकसान पहुंच रहा है। पिछले वर्ष के अंतिम माह में वन विभाग की टीम ने शाजापुर में सैकड़ों नीलगाय पकड़ी थी।

चोरों की गश्त : मेडिकल में चोरी, नमकीन दुकान में प्रयास

कैमरे में 2 बदमाशों के साथ दिखी महिला की पुलिस ने शुरू की तलाश

उज्जैन। महाशिवरात्रि की ड्यूटी में लगी पुलिस की व्यस्तता का रविवार सोमवार का चोरों ने फायदा उठाया और मेडिकल शॉप में चोरी को अंजाम देने के साथ नमकीन दुकान में प्रयास किया। सुबह कैमरों के फोटो देखे गए दो बदमाशों के साथ एक महिला दिखाई दी। पुलिस ने तलाश शुरू की है। कोतवाली थाने से 20 कदमों की दूरी पर मुख्य चौराहा पर बने रॉयल मेडिकल में रात को चोरों ने ताला तोड़ने के बाद शटर उचका कर चोरी को अंजाम दे दिया। चोरों ने 20 हजार नगद चुराये और भाग निकले। मेडिकल संचालक हरीश आसवानी ने सुबह जब चेक किया तो चोरी की वारदात का पता चला। तभी सामने आया कि चोरों ने सती गेट स्थित बाफना नमकीन पर भी तड़के चोरी का प्रयास किया था। बदमाश शटर उचकाकर अंदर पहुंचे थे। दुकान में काम करने वाले कर्मचारी अंदर सोए हुए थे जिनके जागने पर बदमाश भाग निकले। नमकीन दुकान के बाहर लगे कैमरे के फुटेज देखने पर सामने आया कि दो बदमाशों के साथ एक महिला वारदात में शामिल है। चोरी और चोरी के प्रयास की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने फुटेज के आधार पर तलाश शुरू की है। तीनों बाइक से भागना सामने आ रहे हैं।

चोरी की वारदातों का ग्राफ बढ़ा

पिछले कुछ दिनों से शहर में चोरी की वारदातों का ग्राफ बढ़ता नजर आ रहा है। कुछ दिन पहले नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के महानंदा नगर और बसंत विहार कॉलोनी में भी चोरी की वारदात होना सामने आया था। दो मकान में हुई बड़ी वारदात के बाद पुलिस ने कैमरे देखे थे जिसमें स्कूटी पर सवार दो बदमाशों के साथ एक युवती होना सामने आई थी। यही नहीं चोरों ने चिमनगंज थाना क्षेत्र के अतिरिक्त विश्व बैंक कॉलोनी में रेस्टोरेंट संचालक के मकान का ताला तोड़कर आभूषण और नगदी चोरी को अंजाम दिया था। मकान और दुकानों में सामने आ चुकी चोरी से पहले बदमाश मंदिरों को निशाना बना रहे थे।

बीरमखेड़ी में कार हटाने की बात पर विवाद, 12 घायल

उज्जैन। घट्टिया तहसील के ग्राम बीरमखेड़ी में बीती रात सौंधिया परिवार में शादी होने पर युवराज सौंधिया का बाना निकाला जा रहा था। इस दौरान समीप रहने वाले श्यामसिंह पिता शिवसिंह चौहान की बोलेरो खड़ी थी। जिसे हटाने की बात पर दोनों परिवारों के बीच विवाद हो गया। दोनों ओर से लाठी-डंडे निकल पड़े। एक-दूसरे के घर में घुसकर मारपीट की गई। विवाद में श्यामसिंह चौहान की ओर से किशोरसिंह 55 साल, विरेन्द्रसिंह 30 साल, राजपालसिंह 30 साल नरेन्द्रसिंह 22 साल, विजयसिंह 25 साल, भूपेन्द्रसिंह 25 साल, यशपालसिंह 25 साल घायल हो गये। सौंधिया परिवार की ओर से तूफानसिंह 50 साल, मानुबाई 40 साल, प्रभुबाई 60 साल, नारायणसिंह 40 साल और जितेन्द्रसिंह 17 साल घायल हुए है। घट्टिया थाना पुलिस ने एक पक्ष से मौकमसिंह सौंधिया और दूसरे पक्ष से श्यामसिंह चौहान की शिकायत पर क्रास प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। सभी घायलों का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है।

आज सजेगा मिस्टर उज्जैन डिविजन का मंच

उज्जैन। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर चंबल तट पर स्थित नागदा में पहली बार शरीर सौष्ठव का भव्य प्रदर्शन होने जा रहा है। नगर पालिका परिषद नागदा द्वारा आज 17 फरवरी को शिवरात्रि मेला मंच पर मिस्टर उज्जैन डिविजन संभाग स्तरीय बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया जाएगा। राज्य शरीर सौष्ठव संस्था मध्य प्रदेश मुख्यालय उज्जैन के मार्गदर्शन और डिविजनल बॉडीबिल्डिंग संगठन उज्जैन के तत्वावधान में आयोजित इस स्पर्धा के बारे में जानकारी देते हुए प्रेम सिंह यादव एवं जितेन्द्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि यह प्रतियोगिता ऐतिहासिक होगी। इसमें कुल 1 लाख 25 हज़ार रुपये के नकद पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। आयोजकों के अनुसार, स्पर्धा वजन विभाग के निर्धारित नियमों के तहत होगी। प्रत्येक वजन वर्ग में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त करने वाले शरीर साधकों को आकर्षक नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। चैंपियनशिप में रेफरी की भूमिका शैलेंद्र व्यास निभाएंगे। महाशिवरात्रि मेले में होने वाले इस आयोजन को लेकर खेल प्रेमियों में भारी उत्साह

महापौर ने स्टील की सीढ़ी के कार्य का निरीक्षण किया

उज्जैन। 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती है। जिसके पूर्व नगर निगम परिसर में स्थित शिवाजी महाराज की प्रतिमा के पास निगम द्वारा नवीन स्टील की सीढ़ी लगाए जाने का कार्य किया जा रहा है। उक्त कार्य का निरीक्षण सोमवार को महापौर मुकेश टटवाल द्वारा किया गया, सीढ़ी के निर्माण होने से प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जा सकेगा। महापौर द्वारा उक्त कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए ताकि जयंती पर शिवजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जा सके। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य कैलाश प्रजापत उपस्थित रहे।

तापमान हुआ 32 डिग्री पार, दिन में गर्मी सुबह शाम ठंड

उज्जैन। मौसम में अब धीरे-धीरे बदलाव आता दिखाई दे रहा है। ठंड सुबह-शाम की रह गई है। दिन में सूरज की तपन से गर्मी महसूस होने लगी है। वहीं सुबह-सुबह कुछ ठंड का असर महसूस होने लगता है लेकिन 9 बजे बाद गर्मी का अहसास भी होने लगता है। सोमवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया, लेकिन रविवार सोमवार रात न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कुछ दिनों तक तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहने का अनुमान जताया है।

इस बार 14 जनवरी को सूर्य के उत्तरायण होने के बाद भी मौसम में ठंड बनी हुई थी। फरवरी माह का प्रथम सप्ताह ठंड के साथ बारिश और ओलावृष्टि के बीच गुजर था। जिसकी वजह पश्चिमी विक्षोभ के 2 स्ट्रॉग सिस्टम सक्रिय होना सामने आये थे। अब फरवरी माह आधा गुजर चुका है। दिन में सूरज की तपन तेज होने के साथ तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है सोमवार को तापमान में आई तेजी के बाद गर्मी महसूस होने लगी थी। इस बीच रविवार सोमवार रात न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो एक रात पहले 15 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका था। मौसम विभाग की माने तो एक-दो दिन में फिर से बदलाव आएगा जो 20 फरवरी तक रहेगा। इस बीच सुबह शाम की ठंड महसूस होगी दिन में सूरज की तपन तेज बनी रहेगी। मार्च माह के प्रथम सप्ताह से गर्मी अपने चरम पर पहुंच जाएगी। जिस तरह दो दिनों से तापमान में आ रही तेजी से गर्मी महसूस हो रही है वहीं घरों और प्रतिष्ठानों में पंखों की रफ्तार तेज हो गई है। आगामी दिनों में गर्मी को देखते हुए लोगों ने गर्मी से बचने के लिये लोगों ने कूलर, एसी का संधारण करना शुरू कर दिया है। बाजारों में कूलर की दुकाने लगना शुरू हो चुकी है। माना जा रहा है कि जिस तरह से ठंड का असर फरवरी माह के पहले 10 दिनों में बना रहा है, उसी तरह से गर्मी भी जल्द अपने चरम पर पहुंचेगी। मार्च अंत तक तामपान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है।

वन मेला... महाकाल वन मेले में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए वन्य उत्पाद रहे आकर्षण का केंद्र

नि :शुल्क चिकित्सा शिविर से 5000 से अधिक लोग लाभांवित

नवभारत न्यूज

उज्जैन। शहर में प्रथम बार आयोजित किए गए भव्य महाकाल वन मेले-2026 में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए वन्य उत्पाद आकर्षण का केंद्र रहें। उल्लेखनीय है कि अपने उद्देश्य एवं व्यापक सहभागिता के कारण महाकाल वन मेला आम लोगों के लिए लाभदायक रहा। वन मंडल अधिकारी श्री अनुराग तिवारी ने बताया कि मेले में प्रदेश के विभिन्न वनांचलों से आए जिला वनोपज यूनियन, प्राथमिक वनोपज समितियों तथा वन धन केन्द्रों द्वारा संग्रहित एवं प्रसंस्कृत वनोपज उत्पादों, वन्य जीव प्रदर्शनी में डायनासौर एवं चीता परिवार, उद्ययानकीय विभाग, आयुष विभाग, ईको पर्यटन विकास बोर्ड, मानव संग्राहालय, त्रिपुरा एवं छत्तीसगढ़ लघु वनोपज संघ की स्टाल एवं प्रदर्शनी ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

मेले में प्रतिदिन नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर संचालित किया गया। इसमे अनुभवी आयुर्वेद चिकित्सकों एवं पारंपरिक नाड़ी वैद्यों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, औषधीय परामर्श एवं जीवनशैली संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। ओपीडी में बड़ी संख्या में आमजन इस सुविधा का लाभ लेकर आयुर्वेद पद्धति के प्रति जागरूक हुए। मेले में वरिष्ठजनों एवं मरीजों के लिए गोल्फ कार्ट तथा व्हील चेयर्स की सुविधा भी प्रदान की गई। मेले में आमजन को निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श प्रदान करने के लिए 50 स्टॉल लगाए गए। जिनमें आयुष विभाग के चिकित्सकों और 100 से अधिक परंपरागत वैद्यों के द्वारा सोमवार 16 फरवरी तक लगभग 5000 से अधिक लोगों को चर्किित्सकीय परामर्श प्रदान कर स्वास्थ्य लाभ दिया गया। वहीं महाकाल स्मृति उपहार, प्राकृतिक होली रंग गुलाल, शहद, च्यवनप्राश, महुआ लोशन, पीड़ाहारी तेल की अधिक मांग देखी गई।

मेले की थीम समृद्ध वन खुशहाल जन

मेले की थीम समृद्ध वन खुशहाल जन रखी गई थी। इस आयोजन से अकाष्ठीय वनोपज के सतत उपयोग को बढ़ावा मिला, वन आधारित समुदायों की आजीविका को सुदृढ़ करने का एक अवसर मिला तथा वनों के महत्व प्रबंधन एवं उपयोग के संबंध में जनजागृति भी बढी है। मेले में कुल 240 स्टॉल लगाए गए। जिनमें से 70 शासकीय स्टॉल, 36 जिला वनोपज सहकारी यूनियन एवं 15 वन धन केंद्र थे।

विश्व दलहन दिवस : किसानों के लिए विशेष कार्यक्रम

उज्जैन। भारत की पोषण सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य और ग्रामीण आजीविका में दालों की महत्वपूर्ण भूमिका है। हालांकि, जलवायु परिवर्तन, छोटे खेतों और कीट-बीमारियों की निरंतर प्रकोप के साथ-साथ उन्नत बीजों की कमी के कारण दालों की पैदावार प्रभावित हो रही है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अब किसानों को जमीनी स्तर पर मजबूती के साथ ठोस उपाय योजनाओं व उनका सहयोग करने की आवश्यकता है। इन चुनौतियों के समाधान के लिए विश्व दलहन दिवस के अवसर पर गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के क्रॉप प्रोटेक्शन बिजनेस ने एक किसान आउटरीच पहल शुरू की है। जिसका लक्ष्य पांच लाख से अधिक दलहन किसानों तक पहुंचना था। इस पहल के तहत उन्नत कृषि पद्धतियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका ध्यान किसानों को सटीक जानकारी देकर टिकाऊ दलहन खेती के लिए सक्षम बनाने पर था। इन प्रशिक्षण सत्रों में अरहर, चना और मूंग जैसी प्रमुख फसलों को शामिल किया गया और विभिन्न क्षेत्रों में आने वाली कृषि चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों को मिट्टी की सेहत और मौसम के प्रभाव के साथ-साथ फसल के विकास की प्रक्रिया (क्रॉप फिजियोलॉजी), खेती के आधुनिक तरीकों और सीजन के दौरान कीटों से बचाव के व्यावहारिक उपायों के बारे में जागरूक किया गया। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए राजवेलु एनके, सीईओ-क्रॉप प्रोटेक्शन बिजनेस, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड, ने कहा कि दालों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर कृषि ज्ञान की समय पर पहुंच जरूरी है। उन्होंने बताया कि मिट्टी की गुणवत्ता, फसल के विकास की प्रक्रिया (क्रॉप फिजियोलॉजी) और कीटों के चक्र के बारे में किसानों की समझ मजबूत करने से उन्हें बदलते कृषि परिवेश में सटीक निर्णय लेने में मदद मिल सकती है।